impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 11-Jan-2010 Edition : Delhi Page No.: 14 Page Name: Sports Size: 270.76 sq. cm

Sector: Others Circulation: 325766 AVE: INR 142150.26 Frequency: Daily

Publication: Hindustan Title: Ishant need to remember basis

हिन्दुस्तान

इशांत को 'बेसिक्स' पर ध्यान देने की जरूरत : प्रभाकर

नई दिल्ली। स्विंग के मास्टर और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मनोज प्रभाकर ने फार्म के लिए जूझ रहे युवा तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को सलाह दी है कि वह बेसिक्स पर ध्यान दें। प्रभाकर ने कहा कि इशांत नेट पर कड़ी मेहनत करें जिससे उनका खोया आत्मविश्वास लौट आएगा। प्रभाकर ने रविवार को यहां गैटोरेड पेसर्स 2010 के दिल्ली जोनल राउंड में प्रतिभावान तेज गेंदबाजों की पहचान करने के बाद कहा, 'हमारे यहां युवा तेज गेंदबाजों के साथ मूलत एक बड़ी समस्या होती है कि जब वे एक स्तर पर पहुंच जाते हैं तो उसके बाद वे उस स्तर को बरकरार नहीं रख पाते। इशांत के साथ जो समस्या हुई है वह यही है। उन्होंने एक ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया था, लेकिन उसको वह बरकरार नहीं रख पाए।'

पूर्व तेज गेंदबाज मनोज प्रभाकर गेंदबाजों के चयन के दौरान।

उन्होंने कहा, 'इशांत की गेंदों में स्विंग खत्म हो गई। उनके आत्मविश्वास में भी गिरावट आई और उन्हें विकेट मिलने भी बंद हो गए। एक युवा गेंदबाज के लिए यह स्थिति खतरनाक होती है। लेकिन अभी भी कुछ बिगड़ा नहीं है। उन्हें गेंदबाजी के बेसिक्स पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है। वह नेट पर मेहनत करें और कोच को उन्हें नेट पर अतिरिक्त अभ्यास कराकर उनका आत्मविश्वास वापस लौटाने की कोशिश करनी चाहिए।' टीम इंडिया के नए गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस के लिए प्रभाकर ने कहा, 'वह एक अच्छे गेंदबाज रहे हैं। मैं उनके साथ कुछ समय खेला था मुझे पूरा यकीन है कि बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के समय जब वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे तो निश्चित रूप से इशांत को अपनी गेंदबाजी सुधारने में उनसे मदद मिलेगी।' प्रभाकर ने टीम इंडिया के मौजूदा कोच गैरी कर्स्टन के लिए कहा, 'गेंदबाजी में मुझे नहीं लगता कि वह कोई सुधार कर सकते हैं। वह मुख्य कोच हैं। वह टीम की रणनीति बना सकते हैं। लेकिन गेंदबाजी में सुधार लाने के लिए आपको एक अतिरिक्त कोच की जरूरत है।'

यह पूछने पर कि इशांत के साथ वही समस्या तो नहीं हो रही है जो किसी समय इरफान के साथ हुई थी प्रभाकर ने कहा, 'इरफान का मामला कुछ दूसरा था। वह अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देने लगे थे और गेंदबाजी को उन्होंने दूसरे स्थान पर धकेल दिया था।' प्रभाकर ने कहा कि इशांत के रनअप में कोई खराबी नहीं है, लेकिन उनके एक्शन में थोड़ा सा फर्क आया है जिसकी वजह से उनकी मारक स्विंग खो गई है।' पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि भारतीय टीम आजकल गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी की वजह से जीत रही है। यदि आपको टेस्ट की तरह वनडे में भी नंबर एक बनना है तो आपको अपनी गेंदबाजी में भी सुधार लाना होगा। जिस दिन टीम इंडिया गेंदबाजों की बदौलत मैच जीतने लगेगी समझ लीजिए की वह नंबर वन के करीब पहुंच जाएगी।

दिल्ली जोनल राउंड में चुने गए नौ तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। देश में तेज गेंदबाजों को ढूंढ़ने के अभियान में लगे गेटोरेड पेसर्स 2010 टैलेंट हंट में रविवार को पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मनोज प्रभाकर ने दिल्ली जोनल फाइनल में नौ गेंदबाजों की पहचान की। प्रभाकर ने अंडर 15, अंडर 19 और अंडर 22 वर्गों में तीन-तीन तेज गेंदबाजों को चुना। अंडर 15 के विजेताओं को अगले प्रशिक्षण तक सहायता दी जाएगी जबकि अंडर 19 और अंडर 22 के विजेता फरवरी में राजधानी में होने वाले राष्ट्रीय चयन में हिस्सा लेंगे। यह अभियान दिल्ली के बाद मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और चंडीगढ़ में भी ले जाया जाएगा जिसके बाद सभी जगह से चुने गए तेज गेंदबाज दिल्ली में राष्ट्रीय चयन में हिस्सा लेंगे। अंडर 15 में स्वराज राय, सारंग रावत और हिमांशु सांगवान, अंडर 19 में नितिन यादव, संदीप सूद, श्याम साई तथा अंडर 22 में रमन चाहड, संदीप कुमार और आशीष चोपड़ा चुने गए हैं। प्रभाकर ने इन गेंदबाजों को देखने के बाद कहा कि वह अंडर 22 से ज्यादा अंडर 15 और अंडर 19 के गेंदबाजों से प्रभावित हुए। प्रभाकर ने कहा, 'अंडर 22 वह उम्र है जहां से आप सीधे राज्य और देश की टीम में जा सकते हैं, लेकिन यहां इस उम्र के गेंदबाजों में मुझे बेसिक्स की साफ कमी दिखाई दी। अंडर 15 में काफी प्रतिभा है, मेहनत कर उन्हें तैयार कर सकते हैं।'

© Hindustan www.hindustandainik.com